दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-165
मुरादाबाद
(Saturday)
05 October 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

तृतीय नवरात्रि

चंद्रघण्टा

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते महयं चंद्रघण्टेति विश्रुता।।

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघण्टा है। नवरात्र उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन व आराधना की जाती है। इनका स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र है। इसी कारण इस देवी का नाम चंद्रघण्टा पड़ा। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनका वाहन सिंह है। हमें चाहिए कि हम मन, वचन, कर्म एवं शरीर से शुद्ध होकर विधि-विधान के अनुसार, मां चंद्रघ.टा की शरण लेकर उनकी उपासना व आराधना में तत्पर हों। इनकी उपासना से हम समस्त सांसारिक कष्टों से छूटकर सहज ही परमपद के अधिकारी बन सकते हैं।

'युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस', अमित शाह का करारा हमला

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को आरोप लगाया कि ड्रग कारोबार से जुड़े 5,600 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले कि मुख्य आरोपी के एक नेताओं के साथ कथित है।दिल्ली से जब्त ड्रग्स को अमित शाह ने कांग्रेस पर उन्होंने कहा कि एक ओर नशामुक्त भारत के लिए अपना रही है, वहीं उत्तर की 5,600 करोड़ की खेप व्यक्ति की संलिप्तता बेहद है। दरअसल, भारतीय गुरुवार को आरोप लगाया 5,600 करोड़ रुपये की गिरफ्तार मुख्य आरोपी को दिल्ली इकाई के सूचना का प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया ने भी बताया था कि मुख्य राजनीतिक दल के नेताओं का पता चला है। भारत

पुलिस ने भी बताया था राष्ट्रीय राजनीतिक दल के संबंध होने का पता चला लेकर केंद्रीय गृह मंत्री जमकर निशाना साधा। जहां मोदी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति भारत से पकड़ी गई ड्रग्स में कांग्रेस के एक प्रमुख खतरनाक और शर्मनाक जनता पार्टी (भाजपा) ने कि ड्रग कारोबार से जुड़े जब्ती के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस की अधिकार (आरटीआई) गया है। इससे पहले पुलिस आरोपी के एक राष्ट्रीय के साथ कथित संबंध होने और विदेश के करीब एक दर्जन लोग पश्चिम एशिया के देशों से भारत में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह में कथित रूप से संलिप्त थे।इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। कांग्रेस नेता द्वारा अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का जो पाप किया जाना था, उन इरादों को मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी। हमारी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर %नशामुक्त भारत% बनाने के लिए संकल्पित है। क्या है मामला?- पुलिस ने बुधवार को दक्षिण दिल्ली के महिपालपुर में एक गोदाम से 560 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक मारिजुआना' जब्त किया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 5,620 करोड़ रुपये आंकी गई थी। मामले में विशेष शाखा ने चार लोगों दिल्ली निवासी तुषार गोयल (40), हिमांशु कुमार (27) और औरंगजेब सिद्दीकी (23) तथा मुंबई निवासी भरत कुमार जैन (48) को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने गोदाम में बोरियों में रखे गए 602 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ भी जब्त किए थे। ग्रेस का नाम कैसा आया?- एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि भारत में संचालित गिरोह के पीछे गोयल का दिमाग है। पूछताछ में पता चला कि चारों आरोपी दिल्ली और अन्य महानगरों में कंसर्ट, रेव पार्टी आदि में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बेचने की साजिश रच रहे थे। जांच के दौरान एक सोशल मीडिया खाते से गोयल की कई फोटो मिली हैं, जिसमें वह कांग्रेस के नेताओं के साथ दिखाई दे रहा है। गोयल के कथित फेसबुक खाते में उसकी %प्रोफाइल पिक्चर में एक बाघ की तस्वीर है और उसने अपना परिचय %भारतीय युवा कांग्रेस, डीवाईपीसी के दिल्ली प्रदेश आरटीआई प्रकोष्ठ का अध्यक्ष लिखा है। हालांकि, युवा कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि उसे पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए 17 अक्तूबर, 2022 को संगठन से निष्कासित कर दिया गया था।

अमेठी हत्याकांडः राहुल गांधी ने मृतक के पिता से फोन पर की बात, दोषियों को सजा दिलाने का दिया भरोसा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेठी में हुए हत्याकांड में मृतक शिक्षक के पिता से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने की भी बात कही।अमेठी में शिक्षक व उसकी पत्नी व बच्चों की हत्या किए जाने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मृतक शिक्षक सुनील कुमार के पिता रामगोपाल से फोन पर बात की और दोषियों को सजा दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने पीड़ित परिजनों की हरसंभव सहायता करने और उन्हें मुआवजा दिलाने का भी आश्वासन दिया। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने रामगोपाल की राहुल गांधी के से बात कराई। इसके पहले किशोरी लाल शर्मा मृतक के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। रायबरेली- पुलिस के खिलाफ हुई नारेबाजी- रायबरेली के सुदामापुर गांव में शिक्षक सुनील, उसकी पत्नी पूनम और दो मासूम बच्चों के शव कफन में लिपटकर गांव पहुंचे तो देखने वाले हर शख्स की आंख रो पड़ी। आंसुओं के सैलाब के साथ चीत्कारों ने नियति को दुहाई दी। पिता राम गोपाल और मां राजवती तो इस तरह बिलख रहे थे कि उनकी यह दशा देखकर लोगों का मन मस्तिष्क तक डिग गया। इस दौरान पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी हुई।जो वहां मौजूद थे, कोई ऐसा शख्स नहीं दिखा जिसकी आंख में आंसू न हों। चार शवों ने हर

किसी को भीतर से हिलाकर रख दिया। खाकी वर्दी में मौजूद पुलिस भी शवों को देखकर स्तब्ध रह गई। पिता राम गोपाल को सीओ डलमऊ अरुण कुमार नौवहार ढांढस बधाते दिखे। ग्रामीणों के लिए यह घटना किसी अभिशाप से कम नहीं है। मौत के बाद की तस्वीर कितनी भयावह होती है, वह सुदामापुर में चार शवों को देखकर ग्रामीणों को लगा। गांव का कोई ऐसा गलियारा नहीं बचा जहां पर कांड को लेकर अफसोस न जताया जा रहा हो। हर कोई विधाता से परिवार को किस गलती की सजा देने के बारे में दुहाई देता रहा। दो चिकित्सकों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम- अमेठी जिले के शिवरतन गंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात शिक्षक व उसके परिवार के तीन लोगों की सामूहिक हत्या के बाद चारों मृतकों का पोस्टमार्टम देर रात हुआ। दो चिकित्सकों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। दोनों बच्चों के पोस्टमार्टम पहले किए गए। उसके बाद शिक्षक और उनकी पत्नी का पोस्टमार्टम हुआ। मौके पर सीओ सिटी व दो थानों की पुलिस मौजूद रही। इसके अलावा इलाके की भारी भीड़ मौजूद रही। शिक्षक को तीन गोलियां लगीं, जबकि दो गोलियां पत्नी को लगी हैं। एक-एक गोली बच्चों से निकाली गईं हैं।

एमसीडी स्थायी समिति के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट सख्त; एलजी से पूछा- इतनी भी क्या जल्दी थी?

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति के 6वें सदस्य के चुनाव को चुनौती देने वाली मेयर और आप नेता शेली ओबेरॉय की याचिका पर भी सुनवाई की। कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यालय से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट दो सप्ताह बाद किया है। सुप्रीम के उपराज्यपाल एमसीडी के अध्यक्ष पद नहीं कराने को कहा कि अगर

ने मामले को सूचीबद्ध कोर्ट ने दिल्ली कार्यालय से स्थायी समिति के लिए चुनाव कहा है। कोर्ट ने आप एमसीडी स्थायी समिति के अध्यक्ष के लिए चुनाव कराते हैं तो हम इसे गंभीरता से लेंगे। कोर्ट ने एमसीडी स्थायी समिति के सदस्य के लिए चुनाव कराने में दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय के अत्यंत जल्दबाजी करने पर भी सवाल उठाए।कोर्ट ने दिल्ली उपराज्यपाल कार्यालय से कहा कि अगर आप चुनाव कराने के लिए एमसीडी अधिनियम के तहत कार्यकारी शक्ति का उपयोग करना शुरू कर देंगे तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। इसके बाद कोर्ट ने एमसीडी स्थायी समिति के हालिया चुनाव के खिलाफ महापौर शैली ओबेरॉय की याचिका पर दिल्ली उपराज्यपाल कार्यालय से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया है। कोर्ट ने क्या कहा? न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय से कहा कि जब तक वह 27 सितंबर को होने वाले स्थायी समिति के चुनावों के खिलाफ मेयर शेली ओबेरॉय की याचिका पर सुनवाई नहीं कर लेती, तब तक स्थायी समिति के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव न कराए जाएं। पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय जैन से कहा कि यदि आप एमसीडी स्थायी समिति के अध्यक्ष के लिए चुनाव कराते हैं तो हम इसे गंभीरता से लेंगे। %आप चुनावी प्रक्रिया में कैसे बाधा डाल सकते हैं?%- पीठ ने कहा कि शुरू में वह इस याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी, लेकिन उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दिल्ली नगर निगम अधिनियम की धारा 487 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करने के फैसले के कारण उसे नोटिस जारी करना पड़ा। पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय से पूछा कि यदि आप डीएमसी अधिनियम की धारा 487 के तहत कार्यकारी शक्तियों का उपयोग करना शुरू करते हैं तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। आप चुनावी प्रक्रिया में कैसे बाधा डाल सकते हैं। पीठ ने उपराज्यपाल कार्यालय से दो सप्ताह में जवाब मांगा और मामले की सुनवाई शीर्ष अदालत के दशहरा अवकाश के बाद तय की।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बोले- भारत को भी चाहिए आयरन डोम जैसा एयर डिफेंस सिस्टम, S400 की डिलीवरी का इंतजार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेठी में हुए हत्याकांड में मृतक शिक्षक के पिता से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने की भी बात कही।अमेठी में शिक्षक व उसकी पत्नी व बच्चों की हत्या किए जाने के मामले

में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मृतक शिक्षक सुनील कुमार के पिता रामगोपाल से फोन पर बात की और दोषियों को सजा दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने पीड़ित परिजनों की हरसंभव सहायता करने और उन्हें मुआवजा दिलाने का भी आश्वासन दिया। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने रामगोपाल की राहुल गांधी के से बात कराई। इसके पहले किशोरी लाल शर्मा मृतक के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया।रायबरेली- पुलिस के खिलाफ हुई नारेबाजी- रायबरेली के सुदामापुर गांव में शिक्षक सुनील, उसकी पत्नी पूनम और दो मासूम बच्चों के शव कफन में लिपटकर गांव पहुंचे तो देखने वाले हर शख्स की आंख रो पड़ी। आंसुओं के सैलाब के साथ चीत्कारों ने नियति को दुहाई दी। पिता राम गोपाल और मां राजवती तो इस तरह बिलख रहे थे कि उनकी यह दशा देखकर लोगों का मन मस्तिष्क तक डिग गया। इस दौरान पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी हुई।जो वहां मौजूद थे, कोई ऐसा शख्स नहीं दिखा जिसकी आंख में आंसू न हों। चार शवों ने हर किसी को भीतर से हिलाकर रख दिया। खाकी वर्दी में मौजूद पुलिस भी शवों को देखकर स्तब्ध रह गई। पिता राम गोपाल को सीओ डलमऊ अरुण कुमार नौवहार ढांढस बधाते दिखे। ग्रामीणों के लिए यह घटना किसी अभिशाप से कम नहीं है। मौत के बाद की तस्वीर कितनी भयावह होती है, वह सुदामापुर में चार शवों को देखकर ग्रामीणों को लगा। गांव का कोई ऐसा गलियारा नहीं बचा जहां पर कांड को लेकर अफसोस न जताया जा रहा हो। हर कोई विधाता से परिवार को किस गलती की सजा देने के बारे में दुहाई देता रहा। दो चिकित्सकों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम- अमेठी जिले के शिवरतन गंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात शिक्षक व उसके परिवार के तीन लोगों की सामूहिक हत्या के बाद चारों मृतकों का पोस्टमार्टम देर रात हुआ। दो चिकित्सकों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। दोनों बच्चों के पोस्टमार्टम पहले किए गए। उसके बाद शिक्षक और उनकी पत्नी का पोस्टमार्टम हुआ। मौके पर सीओ सिटी व दो थानों की पुलिस मौजूद रही। इसके अलावा इलाके की भारी भीड़ मौजूद रही। शिक्षक को तीन गोलियां लगीं, जबकि दो गोलियां पत्नी को लगी हैं। एक-एक गोली बच्चों से निकाली गईं हैं।

सीएम नीतीश ने कर दिया एलान, विजया दशमी से पहले बाढ़ पीड़ितों को मिलेंगे सात-सात हजार रुपये

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने भी बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये देने की बात कही है। यह पैसा दुर्गा पूजा से पहले नौ अक्टूबर तक पीड़ितों को खाता में ट्रांसफर कर दिया

जायेगा।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार दोपहर दरभंगा के इंडोर स्टेडियम में बाढ़ पीड़ितों के लिए तैयार किये जा रहे फूड पैकेट का जायजा लिया और उपस्थित जिलाधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री पहुचाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजया दशमी से पहले बाढ़ पीड़ितों के बैंक खाते में सहायता राशि भेजने का निर्देश दिया।बाढ़ग्रस्त इलाके का दौड़ा करने निकल गए हैं इंडोर स्टेडियम फूड पैकेजिंग का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री किरतपुर कुशेस्वरस्थान प्रखंड के बाढ़ग्रस्त इलाके का दौड़ा करने निकल गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने भी बाढ़ पीड़ितों को सात-सात हजार रुपये देने की बात कही है। यह पैसा दुर्गा पूजा से पहले नौ अक्टूबर तक पीड़ितों को खाता में ट्रांसफर कर दिया जायेगा। मंत्री सहनी ने बताया कि लगभग 50 हजार पीड़ितों के बीच

संपादकीय Editorial

Soot fell on these pages

His four lines revealed everything, it was a letter but the glasses broke as soon as I read it. These glasses are defaming the name of journalism in that character which has become a mafia in today's era. An administrative officer Shilpi Bekta wrote only 'four lines' on social media, but soot has fallen on many pages. Her experience is face to face with the complaint of a blackmailer journalist. She is demanding action by pointing out the corrupt arrow on the bow of the word 'press'. We have reached such infamous streets in the vastness of media where 'mike' is the agent of the so-called digital media in the role of its introduction. Still there is some effect in your eyes, those who write news from the eyes even today. It is not that all the birds have looted the fields, many are still flying. Even today in the field of journalism, if the nation believes in the responsibility of the society, the duty of the country, the mirror of the system and the open books of expression, then the advocates of this column are present. There is no doubt that the melon is changing its colour after seeing another melon, but the Holi of words cannot be defamed everywhere. Even today, the media is a wonderful picture in front of the society in its rainbow hue, even though the number of this character is less. Shilpi Bekta is alerting the entire media like a whistle blower and if we look inside ourselves, the crowd that comes to every press conference is not a journalist. Every politician's informer or media advisor cannot be a journalist. There are defamed people everywhere who roam around in the streets of power, but if brokers are found in the guise of media, then fingers are raised on the entire profession. Evidently, a group of unorganized and self-proclaimed journalists in the media is now enjoying their prejudices through digital media. A mere introduction flashed on a mobile and a mic cannot represent the entire media world, but here, in the army of editors, every side is secondary and weak. Even today, the context of journalism in Himachal can be considered to be strong through the newspaper world, but the new era of digital media has given such freedom where there are no set rules or code of conduct. It is unfortunate that the media organizations are also busy in the political contacts of the Press Club here and the puppets are considering themselves hunters in the hunt of government facilities. In such a situation, if the administrative officers come forward to quantify the actual facts, then the media will definitely be able to interpret this matter and review itself. Of course, due to the business needs of the profession, managerial pressure and technological expansion, the media has to make its own economics and economic balance, but this also does not mean that pawns should be made to dance in the system. The voice of an officer will not only have to be taken seriously by the media world, but the government will also have to address the apprehensions related to such aspects. Till date, neither a clear policy nor clear rules have been set for digital media. After all, if someone is making himself an editor with the help of one person, one mobile and one mike, then this practice is the burning of those traditions which climb the ladder on the basis of years of hard work and business conditions. There should be a requirement of a suitable and strong structure for the registration of digital media, so that it can be known how serious the business is. The cooperation of the media is desired for the state's information system and the private sector, but it should be interpreted and reviewed. Every mobile, every mike or every pen is not media until it is certified and becomes accountable under the necessary rules. The crop of autocratic journalists is not useful for the society, the government, the system, the state-nation and the media.

Question of management of Hindu temples, many temples in the country do not have Brahmin priests

There are thousands of temples of Arya Samaj, Kabir Panth, Brahma Samaj etc. in the country which do not have Brahmin priests. In cities, it is not known whether a temple has a Brahmin or a non-Brahmin priest. In modern times, many such sects have been formed - especially ISKCON, Sai Temple Group, Gayatri Parivar etc. which have priests from all castes. It is important to differentiate between a priest and a purohit. Amidst the controversy over the offerings made of ghee containing animal fat in Tirupati Balaji temple, the demand is being raised that temples should be freed from government control. In opposition to this demand, it is being said that if government control is removed from temples, will they not again go under Brahmin dominance? Along with this, it is also being said that it was the Brahmins who took over all the temples and limited the participation of Dalits and backward classes in them. It is true that the priests of most temples in India have been Brahmins by birth. Perhaps even today they are the priests in most temples, but it is not the case that 100% of temples have Brahmins as priests. The priests of scheduled castes and tribes are from their own caste and so are the priests of their temples, especially those of Dalits. The system of tribes is different. In the Hindu system, Brahmins were priests only of those with whom they had a 'drinking water relationship', that is, of most of the so-called upper castes and backward castes, which are about 50 percent of the total population. The question is whether the decision to not perform worship at Dalits' places was of Brahmins alone? Could two-three percent Brahmins of the country and even in that 0.01 percent priests impose this on their own? It is clear that the entire society including upper castes and backward castes was involved in this. In the 2011 census, it was said that there were about 26 lakh religious institutions/ temples-mosques-churches etc. in the country. There were about 19 lakh Hindu institutions in this. Even if we assume that in the last hundred years many temples have been built on the roadsides for vested interests, it should be kept in mind that there were many people who built them who were not Brahmins. Nearly 15 lakh temples have been in the country for hundreds and thousands of years, they were built by kings, landlords and Seths and they appointed Brahmin priests in them. This happened as per tradition. No Brahmin held any meeting or gathering to appoint himself as the priest. Out of these 15 lakh temples, there are lakhs of temples which are non-Brahmin monasteries. Whether you take the name of Gorakhpur Math or Lingayat/Vokkaliga Mathas in Karnataka, their masters are non-Brahmins. Recently, the sceptre called 'Sengol' which was promoted by Prime Minister Modi and whose roots go back to the Chola dynasty, its head priest is a non-Brahmin. There are thousands of temples of Arya Samaj, Kabir Panth, Brahma Samaj etc. in the country, which do not have Brahmin priests. In cities, it is not known whether the priest in which temple is a Brahmin or a non-Brahmin. In modern times, many such sects have been formed, especially ISKCON, Sai Mandir Samuh, Gayatri Parivar etc., which have priests from all castes. It is important to differentiate between a Pujari and a Purohit. A Pujari is one who performs daily worship or bhog. A Purohit is one who performs family rituals at specific intervals. Among the upper castes and backward castes, Brahmins dominate rituals, but not in being a priest. We should understand this difference. Some priests are also non-Brahmins. In Bihar's most famous Hanuman temple in Patna, about 40 percent of the priests are non-Brahmins, which is run by a former IPS officer. He is a Bhumihar. In some parts of the country, the 'state' has started appointing non-Brahmin priests in temples. These temples are controlled by the state. Tamil Nadu is a pioneer in this. Despite the anti-Brahmin politics in Tamil Nadu, there are not many non-Brahmin priests in temples. Perhaps one reason for this is that the benefits of becoming a priest are less and the lifestyle is difficult. Still, it is being taken as egalitarianism in a symbolic form. To say that Brahmins have taken over the religious places by forming a group is far from the truth. This is like propagating that Marwaris have taken over the country's economy! It is also worth mentioning that general temples are different, monasteries are different and temples of folk deities are different. Most of the monasteries and temples of folk deities are controlled by non-Brahmins. Another issue is related to VIP culture, in which VIP darshan etc. are arranged by paying money. This should be opposed. If someone is going to have darshan of his idol, then he should not have difficulty in standing in line for an hour or two. It is worth noting that this VIP culture is more in temples controlled by government trusts. This has been made a means of increasing the revenue of temples. Finally, the same question arises whether there should be non-Brahmin priests in temples? There should be, and more so in public temples. Yes, the priests should have knowledge of the beliefs, customs, rituals of that temple and should have some religious inclination. It is not possible that a person who does not have religious inclination becomes a priest and destroys the established tradition there or a Muslim, Christian or an atheist becomes a member of the Hindu Dharmasthan Board. As far as priesthood is concerned, it is the society's decision as to whom it gets the priesthood done. You cannot force anyone to get the worship done by whom.

Disappointing political discourse, will have to face adverse effects

If we investigate the reasons for the decline in political discourse, we will find that politics has become very competitive. Earlier, people used to approach politics with a sense of service and were basically busy with some project of theirs, but now the situation is such that people have left their original work and are engaged in politics full-time. Recently, Congress President Mallikarjun Kharge wrote a letter to BJP President Jagat Prakash Nadda asking him to rein in his leaders who are engaged in baseless statements against Rahul Gandhi. In a letter written in response to this, JP Nadda reminded Kharge of the 'abuses' that Congress leaders keep hurling at Prime Minister Narendra Modi. From this correspondence of the national presidents of the two largest political parties of the country, you can guess how pathetic the state of morality has become in Indian politics. Apart from such a situation at the top, endless examples of such incidents related to second and third tier leaders will be found. This clearly shows how the level of discourse in Indian politics is falling. Sooner or later, the country will have to face its ill-effects. Bitterness in political discourse is nothing new. It has been very common in the past too, but bitter words were often used only in the electoral arena. They also had a limit. Now bitterness in political rhetoric has become perennial and its level is also going from low to lower. However, it is not that this is being seen only in India. In America, which claims to be the oldest and most mature democracy in the world, sharp political attacks are being made during the presidential elections and Republican candidate Donald Trump and Democratic contender Kamala Harris are leaving no stone unturned to belittle each other. As far as India is concerned, the country has a rich history of meaningful political discourse. All the leaders of the Indian freedom struggle were very educated and thoughtful. The generation of Indian leaders after independence was also full of scholarship and thoughtful. Many leaders kept writing regular columns in newspapers. Some leaders also edited newspapers. Wrote books on various subjects. Made the public aware with the power of new ideas. Started many movements. Looking at such a history, the current linguistic and ideological plight presents a very pathetic picture. It is possible that the leaders of the current generation have more degrees and extensive global experience than the old leaders, but along with the lack of originality, unnecessary aggression is also visible in them. They lack depth and more roaring voices are heard. If we investigate the reasons for the decline in political discourse, we will find that politics has become very competitive. Earlier, people used to approach politics with a sense of service and were basically busy with some project of theirs, but now the situation is such that people have left their original work and are engaged in politics full time. Earlier due to television and now due to social network sites, the feeling of show-off has also increased among the leaders. Many such researches have come to light, which have confirmed that television and digital media have influenced the language and expressions of the leaders. It has been observed in India that since the live telecast of parliamentary proceedings has started, the level of proceedings is deteriorating instead of improving. Many leaders are seen more like addressing election rallies in Parliament rather than being law makers. Similarly, since absurd things go viral on digital media, many leaders are not maintaining decorum in their language and tone. This is worrying. India is recognized as the largest democracy on the global stage, but if the decline in political discourse continues, then this reputation of India will be tarnished with time. The nation and society will also have to bear its losses. The biggest loss will come in the form of the fading aura of institutions. The effect of the breaking decorum of language and thoughts in public life is being seen from the Supreme Court to the Parliament. This will also increase the distance between political parties, which will lead to conflict among workers. As a result, a situation of social discontent will be created. It is necessary for India, which is on the path of development, to find solutions to the challenges before it, for which reforms will have to be made, but the situation of disagreement due to squabbles in the political class can prove to be spoiling the game. From agricultural laws to the issue of reservation and the issue of North India vs South India, it is an example of this that such a period of baseless blabbering about policies has begun that an attempt is being made to eliminate the difference between truth and lie. In such a situation, if the level of discussion does not improve, it will become difficult to find political solutions to the challenges. The country is already plagued by dividing lines of caste, religion, region, language etc. and some leaders are deepening these lines due to vested interests, due to which the country will have to suffer a great loss in the long run. When differences will be seen on various issues in India, foreign powers will play their cards to take advantage of it. Anyway, India is a thorn in the eyes of many countries due to its progress and the conditions in the neighborhood have also not always been favorable, so the situation of internal division will create opportunities for competing countries. In this entire scenario, the country may also become a victim of political instability., which will put a damper on economic prospects. This is quite natural, because foreign investors and big international companies keep stability and political stability in mind while investing in any country. Today India is the fifth largest economy of the world and it wants to become the third largest economy soon. If this dream of economic prosperity is to be realised, then the experts of the political front will also have to understand their role seriously.

दिल्ली हाईवे पर छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट, फायरिंग के बाद मच गई भगदड़

मुरादाबाद-मुरादाबाद में छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट हो गई। इस बीच फायरिंग होने से भगदड़ मच गई। कुछ छात्रों ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस जांच कर रही है। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के बाहर छात्रों के दो गुट भिड़ गए, जिनमें जमकर मारपीट हुई। इस घटना से मौके पर भगदड़ मच गई। घटना में एक छात्र घायल हुआ। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। रामपुर के मिलक क्षेत्र के सिरी गांव निवासी उत्कर्ष चौधरी लोदीपुर राजपूत स्थित आईएफटीएम विवि में एमबीए द्वितीय वर्ष का छात्र है।उत्कर्ष चौधरी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया की बृहस्पतिवार दोपहर वह अपने साथी मोहित यादव और अभिजीत चौधरी के साथ कॉलेज से निकल रहा था। बाहर पहुंचते ही सात-आठ लड़के आ गए और हमारी गाड़ी को घेरकर लाठी डंडों से बुरी तरह मारपीट करनी शुरू कर दी। जब मोहित और अभिजीत उसे उठाकर अस्पताल में भर्ती कराने के लिए लेकर जा रहे थे। इसी दौरान बागड़पुर अंडरपास के पास फिर तीन-चार युवक बाइकों से आ गए। इस दौरान तीन फायर किए। उसमें तीनों लोग बाल-बाल बच गए। उत्कर्ष चौधरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी सतेंद्र सिंह ने बताया की फायरिंग का कोई मामला सामने नहीं आया है। मारपीट हुई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। चालक को लड्डू में नशीला पदार्थ खिला ई-रिक्शा लूटा- नागफनी थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा चालक को लड्डू में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। बेहोश होने पर आरोपी ई-रिक्शा, मोबाइल और नकदी लूटकर चालक को सड़क किनारे छोड़कर भाग गया।

हाईकोर्ट ने रामपुर के दो DM को निलंबित करने के दिए थे आदेश, प्रदेश सरकार की हुई थी किरकिरी

मुरादाबाद- मुरादाबाद मंडल में अवैध खनन में अधिकारियों की संलिप्तता कोई नई बात नहीं है। अवैध खनन के एक मामले में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने करीब सात साल पहले रामपुर के दो जिलाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिये थे और उस समय तैनात रहे अन्य अधिकारियों के खिलाफ जांच कराने के आदेश दिए थे, जिससे प्रदेश सरकार की बड़ी किरकिरी हुई थी। मुरादाबाद मंडल का मुरादाबाद और रामपुर जिला अवैध खनन के लिए बदनाम रहा है। अधिकारियों से लेकर सत्ताधारी दल के नेताओं तक पर अवैध खनन में संलिप्तता के आरोप लगते रहे हैं। उत्तराखंड से आने वाली खनन सामग्री का अवैध कारोबार करने वालों से लेकर दोनों जनपदों में नदियों में रेता और खेतों से मिट्टी का खनन कराने में भी पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और सत्ताधारी नेताओं का हाथ होने के आए दिन आरोप लगते रहते हैं। रामपुर जिले में कोसी नदी में होने वाले अवैध खनन के एक मामले की सुनवाई करते हुए करीब सात साल पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिले में तैनात रहे तत्कालीन दो जिलाधिकारियों राकेश कुमार सिंह और राजीव रौतेला को निलंबित करने के आदेश जारी किए थे। साथ ही दो साल के दौरान जिले में तैनात रहे अफसरों की भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने के भी आदेश दिए थे। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद प्रशासनिक खेमे में हड़कंप मच गया था। अवैध खनन को लेकर स्वार क्षेत्र के दढ़ियाल मुस्तेहकम निवासी मकसूद हुसैन ने हाईकोर्ट द्वारा 2016 में जारी किए गए आदेशों का पालन जिला प्रशासन के अफसरों द्वारा नहीं करने पर याचिका दायर की थी।

गर्भवती की जांचें सरकारी में, प्रसव निजी अस्पतालों में... डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने एकत्र कराया डाटा

मुरादाबाद-मुरादाबाद में मांस बिक्री पर रोक के बाद भी पाकबड़ा में कुछ लोगों ने दुकानें खोल दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दुकान बंद करवा कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। पाकबड़ा में नवरात्र में मांस की बिक्री पर रोक के बावजूद दुकानदारों ने दुकानें खोल दीं और मांस बेचने लगे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और दुकान बंद

करने कहा तो दुकानदारों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने हंगामा करने के आरोप में तीन दुकानदारों को गिरफ्तार कर लिया। दुकानदारों ने पुलिस पर तोड़फोड करने का आरोप लगाया है। नगर में नवरात्र पर मांस की बिक्री पर रोक है। लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि मांस बेचने वालों ने दुकानें खोल रखी हैं। बृहस्पतिवार को नगर के कुरैशी मोहल्ले के आधा दर्जन से ज्यादा दुकानदारों ने अपनी दुकान खोल लीं और मांस की बिक्री शुरू कर दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई और दुकानों को बंद करा दिया। दुकानों को बंद कराकर पुलिस लौट आई थी। पुलिस के जाने बाद दुकानदारों ने फिर से दुकानों को खोल लिया और फिर से मोहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस फिर से मौके पर पहुंच गई और दुकानों को बंद करने को कहा तो दुकानदार हंगामा करने। हंगामे की सूचना पाकर और अधिक संख्या में पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने हंगामा करने के आरोप में फरीद, अफजल, और आलम नाम के दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया। दुकानदार सालिम ने बताया कि दुकानों के बंद होने की सूचना नहीं थी। नगर में एक ठेकेदार सभी को मांस सप्लाई करता है। वह मांस लेकर आ गया और सभी दुकानदारों को मांस दे दिया था। पूरे प्रदेश में रोक के बाद ठेकेदार को मांस कहां से मिला था। उसकी जांच करने के बजाय पुलिस ने दुकानदारों पर कार्रवाई शुरू कर दी।

गर्भवती की जांचें सरकारी में, प्रसव निजी अस्पतालों में... डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने एकत्र कराया डाटा

मुरादाबाद- गर्भ में पल रहे शिशु और गर्भवती के स्वास्थ्य की जांचें सरकारी अस्पतालों में हो रही हैं और फिर उनके प्रसव निजी अस्पतालों में कराए जा रहे हैं। यही नहीं, चिह्नित हुईं हाईरिस्क प्रेगनेंसी वाली गर्भवती महिलाओं के भी प्रसव निजी अस्पतालों में कराए गए हैं। जी हां, ये खुलासा डीएम अनुज सिंह के हस्तक्षेप पर हुआ है। दरअसल, पिछले दिनों 28 सितंबर को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई थी। इसमें सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने वाली महिलाओं की संख्या पर डीएम ने गंभीरता दिखाई। 811 गर्भवती के प्रसव पंजीकृत निजी अस्पतालों में हुए 282 प्रसव झोलाछाप ने कराए 800 प्रसव सरकारी अस्पताल में हुए उन्होंने सरकारी अस्पतालों में जांच कराने वाली गर्भवती महिलाओं और प्रसव की संख्या में काफी अंतर पाया। जिस पर उनके कहने के बाद सीएमओ ने सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षकों से अगस्त महीने में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के दिनों में गर्भवती की जांच के दौरान उसी महीने प्रसव के लिए चिह्नित महिलाओं और इनमें कितनी महिलाओं के प्रसव सरकारी अस्पताल में हुए हैं, विवरण एकत्र किया है। इसी में खुलासा हुआ है कि जांच के दौरान उसी महीने प्रसव के लिए चिह्नित महिलाओं में से आधे से अधिक गर्भवती के प्रसव निजी अस्पतालों में हुए हैं। ऐसे में स्वास्थ्य अधिकारियों की कार्यशैली और स्वास्थ्य केंद्रों पर मिलने वाली सुविधाओं पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इन सवालों से गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं के लिए योजनाओं का संचालन भी कटघरे में आ गया है। चूंकि ये गर्भवती आशाओं के संपर्क में रहती हैं इसलिए इस बिंदु पर भी संदेह करना गलत नहीं होगा कि आशा उन्हें सरकारी अस्पताल में प्रसव के लिए प्रेरित न कर निजी अस्पतालों में प्रसव के लिए ले जा रही हैं। हाईरिस्क प्रेगनेंसी वाली महिलाओं के भी प्रसव निजी अस्पतालों में- रिपोर्ट में पता चला है कि अगस्त में जांच के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने 203 गर्भवती के प्रसव हाईरिस्क में होना चिह्नित किया था। इन सभी के प्रसव उसी महीने अगस्त में होने थे। पड़ताल में पाया गया कि हाईरिस्क प्रेगनेंसी (एचआरपी) में चिह्नित महिलाओं में से कुल 135 गर्भवती के प्रसव झोलाछाप के यहां या फिर अन्य स्थलों पर हुए हैं। एचआरपी वाली महिलाएं ठाकुरद्वारा में सबसे अधिक 45 चिह्नित थीं। इनमें 26 महिलाओं के ही प्रसव सीएचसी पर हुए हैं। इसी तरह भोजपुर में 21 चिह्नित हुई थी, लेकिन सीएचसी पर 3 प्रसव ही हुए हैं। कांठ में 25 गर्भवती चिह्नित थीं, सीएचसी पर प्रसव 3 महिलाओं के हुए। कुंदरकी में एचआरपी की 12 महिलाओं में से 3 गर्भवती के प्रसव हुए हैं। डिलारी सीएचसी पर एचआरपी की 27 में से 8, मूंढापांडे में 19 में से 10, ताजपुर में 25 में से 4 हाईरिस्क प्रेगनेंसी वाली महिलाओं के प्रसव सीएचसी पर हुए हैं। बिलारी में हाईरिस्क प्रेगनेंसी वाली 29 गर्भवती में से 11 के प्रसव सीएचसी पर हुए हैं। डीएचएस की बैठक में डीएम ने निर्देश दिए थे। इसी क्रम में सरकारी व निजी अस्पतालों में हुए प्रसव का विवरण एकत्र किया गया है। प्रसूताओं का यह वह आंकड़ा है, जो प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दिनों में गर्भवती का स्वास्थ्य जांच के दौरान अगस्त महीने में ही प्रसव के लिए चिह्नित किया गया था। रिपोर्ट डीएम को भेजी गई है।- डॉ. कुलदीप सिंह, सीएमओ

स्वास्थ्य जांच के समय प्रसव के लिए चिह्नित गर्भवती

सीएचसी	चिह्नित गर्भवती	निजी अस्पताल/ झोलाछाप में प्रसव
अर्बन	517	419
ताजपुर	259	166
बिलारी	235	127
कांठ	144	107
डिलारी	172	93
भोजपुर	174	80
कुंदरकी	88	45
ठाकुरद्वारा	115	34
मूंढापांडे	191	22
कुल	1895	1093

नोट : उक्त आंकड़े अगस्त महीने के हैं।

खनन के नाम पर खेला जाता है बड़ा खेल, तोड़ना आसान नहीं...उत्तराखंड तक जुड़े हैं खनन माफिया के तार

बालू व मिट्टी के सरकारी खनन के नाम पर होता है अवैध खनन, मोटी कमाई पर सबकी नजर, ठाकुरद्वारा के अलावा सदर तहसील में भी खनन माफिया का फैला है नेटवर्क, प्रशासन पर भी पड़ते हैं भारी

मुरादाबाद- जिले में सरकारी खनन के नाम पर अवैध खनन का बड़ा खेल चलता है। इसके नेटवर्क को तोड़ना इतना आसान नहीं है। खनन के नाम पर लाइसेंस, पट्टा जारी करने से लेकर तय सीमा से अधिक का खनन कर मोटी कमाई का खेल चलता है। इस कमाई पर सबकी नजर रहती है। खनन का सिंडीकेट जिले ही नहीं उत्तराखंड तक फैला है। कई बार खनन माफिया खाकी और प्रशासन पर भारी पड़ चुके हैं। पिछले महीने सदर तहसील में अवैध खनन के वाहनों से कुचलने की कोशिश का मामला भी अभी ठंडा खनन के सिंडीकेट को तोड़ना प्रशासन के बड़ी चुनौती है। उनके निशाने पर प्रशासनिक अधिकारी भी आकर बेबस हो खनन की गूंज हमेशा रहती है। सितंबर में सदर तहसील के लिए पहुंचे एसडीएम सदर राम मोहन मीणा व तहसीलदार असफल कोशिश की गई। ईंख के खेत में ट्रैक्टर फंसने के जिसमें लेखपाल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसके पहले माफिया के लोगों ने दबाव बनाने और डराने के लिए प्रयास नाम पर मनमानी नहीं चलने देंगे। अवैध खनन या इसके नाम

रोकने के लिए पहुंचे उप जिलाधिकारी व तहसीलदार को खनन नहीं है। जिले में खनन माफिया के तार उत्तराखंड तक जुड़े हैं। अवैध खनन के खेल में जुड़े लोगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि जाते हैं। ठाकुरद्वारा के अलावा सदर तहसील क्षेत्र में अवैध भोजपुर धर्मपुर में अवैध खनन में लगे माफिया को रोकने के रामवीर सिंह व उनकी टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाकर कुचलने की बाद उसे छोड़कर अवैध खनन करने वाले फरार हो गए थे। ठाकुरद्वारा तहसील के प्रशासनिक अधिकारियों पर भी खनन किया। जिलाधिकारी अनुज सिंह का कहना है कि खनन के पर जो भी संलिप्त होगा उसके खिलाफ कार्रवाई तय है। उत्तराखंड के बार्डर के सीमावर्ती चेकपोस्ट पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी कराई जा रही है। सदर तहसील में भी कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त समाचार

नि:शुल्क राशन वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर

मुरादाबाद- जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम -2013 के अंतर्गत माह अक्टूबर 2024 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का दिनांक 5 अक्टूबर से 25 अक्टूबर के मध्य निःशुल्क वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा योजना अंतर्गत आच्छादित गरीब लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने तथा राष्ट्रीय एकरूपता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एनएफएसए में आच्छादित अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को 1 जनवरी 2024 से 5 वर्ष हेतु निःशुल्क खाद्यान्न गेहूं व चावल उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम- 2013 के अंतर्गत आच्छादित अंत्योदय लाभार्थियों को प्रति कार्ड 14 किलोग्राम गेहूं एवं 21 किलोग्राम चावल खाद्यान्न निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही आच्छादित पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को दो किलोग्राम गेहूं प्रति यूनिट एवं 3 किलोग्राम फोर्टीफाइड चावल प्रति यूनिट खाद्यान्न का निशुल्क वितरण किया जाएगा। खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रांजैक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रांजैक्शन कर सकते हैं। खाद्यान्न वितरण योजना अंतर्गत गेहूं व चावल के निःशुल्क वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न करने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से वितरण किया जाएगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री योगेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2024-25 हेतु सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के प्रोत्साहन हेतु प्रादेशिक पुरस्कार योजना संचालित है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के उत्कृष्ट उद्यमियों को चयनित कर पुरस्कार प्रदान किए जाने हेतु उद्यमियों के निर्धारित सर्विस क्षेत्र एवं मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इच्छुक उद्यमी आवेदन निर्धारित प्रारुप पर पूर्ण कराकर अभिलेखों सहित दो प्रति में कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र में जमा कराए। आवेदन पत्र एवं चेक लिस्ट किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

गर्भवती की जांचें सरकारी में, प्रसव निजी अस्पतालों में...डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने एकत्र कराया डाटा

मुरादाबाद-जिले में वर्ष 2023 से पूर्व चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत अधिसूचित 08 ग्रामों में ग्राम चौपाल आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने इन सभी गांवों में ग्राम चौपाल आयोजित करने के संबंध में तिथिवार रोस्टर जारी कर दिया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तहसील मुरादाबाद के ग्राम नकटपुरी में दिनांक 04 अक्टूबर को, तहसील मुरादाबाद के ग्राम देवापुर ऐहतमाली में 09 अक्टूबर को, तहसील मुरादाबाद के ग्राम कोरबांकू में 11 अक्टूबर को, तहसील ठाकुर द्वारा के ग्राम रोशनपुर में 16 अक्टूबर को, तहसील मुरादाबाद के ग्राम रसूलपुर नंगली में 18 अक्टूबर को, तहसील मुरादाबाद के ग्राम चन्दनपुर ईसापुर में 23 अक्टूबर को, तहसील कांठ के ग्राम राजूपुर खद्दर में 25 अक्टूबर को तथा तहसील कांठ के ग्राम हसनगढ़ी में 30 अक्टूबर 2024 को ग्राम चौपाल का आयोजन किया जायेगा। उप संचालक चकबंदी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इन ग्राम चौपालों में चकबंदी से जुड़े मामलों पर आमजन से चर्चा की जाएगी।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

भगवा रक्षा वाहिनी संगठन ने अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की उठाई मांग

क्यूँ न लिखूँ सच-सिकंदर राजा

मुरादाबाद जिलाधिकारी कार्यालय पर भगवा रक्षा वाहिनी हिंदू संगठन ने पहुंचकर ख्वाजा हेल्थ केयर जच्चा बच्चा केंद्र पर आरोप लगाया है कि जयंतीपुर निवासी पायल नाम की एक महिला जो इस अस्पताल में डिलीवरी के लिए भर्ती की हुई थी आरोप है अस्पताल की डॉक्टर मोनिश निशा ने ऑपरेशन के जरिए महीला की डिलीवरी की और डिलीवरी का उपचार गलत तरीके से कर दिया जिससे मरीज की स्थिति बिगड़ गई आरोप ये भी है की जब पीड़ित के परिवार वालों ने डॉक्टर मोनिश निशा से वार्तालाप की तो उन्होंने कहा कि हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है हिंदू संगठन का कहना है की पीड़ित परिवार बेहद गरीब है संगठन का यह भी आरोप है की पीड़ित के परिवार वालों

को एवं पीड़ित के पति को बार-बार अस्पताल की तरफ से धमकियां दी जा रही है इसी प्रकरण को लेकर हिंदू समाज आज मुरादाबाद जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा है और एक ज्ञापन भी सौंपा है दरअसल दिए गए ज्ञापन में हिंदू संगठन ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए जाने की मांग की है और कहा है ये अस्पताल अवैध रूप से चल रहा है जिसकी जांच कराकर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए वही इस संबंध में ख्वाजा हेल्थ केयर अस्पताल की डॉक्टर मोनिश निशा का कहना है कि जब मरीज को यहां पर लाया गया था तो बच्चा जो था आउटिंग पर था मैंने उसको संभाला और मैंने सही सलामत उनको घर भी भेज दिया था लेकिन उसने परिजन अपने मरीज को लेकर 8 से 9 दिन के बाद आते हैं और कहते हैं कि टांके टूट गए हैं क्या करना है इसलिए मरीज की हालत बिगड़ रही है तो मैंने कहा कि अगर टांके टूट गए हैं तो मैं इसको सही कर दूंगी कोई ऐसी घबराने वाली बात नहीं है आप परेशान ना हो लेकिन परिजन बोले कि हमें अब आपके यहां एडमिट नहीं करना हमें बंसल में एडमिट करना है हम बंसल का इलाज करेंगे तो मैंने कहा कि ठीक है आप बंसल के यहां इलाज करा लो जो भी भी चार्ज होगा मैं आपको ऑनलाइन पेमेंट कर दूंगी डॉक्टर का आरोप है की मैंने मरीज के इलाज के लिए ऑनलाइन पेमेंट भी डाल दी है हमारे पास सब प्रूफ है लेकिन अब यह लोग हमसे और पैसों की डिमांड कर रहे हैं डॉक्टर का यह भी आरोप है कि कुछ लोग हैं जो साजिश के तहत इन लोगों का सहारा लेकर हमारे अस्पताल को बदनाम करना चाहते हैं और हम पर झूठा आरोप लगा रहे हैं क्योंकि कुछ लोग इनके परिवार के साथ हमारे अस्पताल में भी आए थे और हमें धमका भी रहे थे कह रहे थे कि देख लेना हम तुम्हारा अस्पताल बंद करवा कर रहेंगे डॉक्टर का आरोप है की यह लोग हमसे और पैसों की डिमांड कर रहे हैं डॉ मोनिश निशा का कहना है कि हमारे द्वारा जच्चा बच्चा का सफलतापूर्वक इलाज किया गया वही डॉक्टर निशा का कहना है कि मरीज का इलाज बंसल हॉस्पिटल में चल रहा है जिसकी पेमंट हमारे द्वारा की गई है फिलहाल इस खबर में कहां तक की सच्चाई है यह तो पुलिस की जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा क्योंकि मामले में जांच कटघर पुलिस कर रही है

पुलिस अधीक्षक ने किया महिला थाना व अन्य विभागों का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने पुलिस लाइन स्थित महिला थाना और विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत

कर उनकी समस्याओं और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने महिला थाना और शाखाओं की कार्यक्षमता और संसाधनों की जांच की, साथ ही वहां कार्यरत कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। महिला थाना के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने महिला थाने में आने वाले प्रत्येक मामले को संवेदनशीलता से निपटाने पर जोर दिया और थाने की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए। विभिन्न शाखाओं के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने उनके कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक मुस्तैदी से निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को सतर्क रहते हुए जनहित में प्रभावी कार्यवाही करने की बात कही। इस निरीक्षण से पुलिस थानों और शाखाओं में अनुशासन और कार्यकुशलता को और बेहतर बनाने की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

डीएम ने कृषि मेले के लिए किसानो की बस को हरी झंडी दिखाई

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डा.वी के.न सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलाजी (आत्मा) योजनान्तर्गत 35 कृषकों को एवं उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के अन्तर्गत 50 कृषकों को अन्तर्राज्जीय अध्ययन भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) कार्यक्रम के अन्तर्गत गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पन्तनगर (उत्तराखण्ड) में आयोजित कृषि कुम्भ अखिल भारतीय

किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में भ्रमण हेतु हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन पन्तनगर में दिनांक 04 से 07 अक्टूबर तक किया जा रहा है जिसमें जनपद के 85 कृषकों को प्रतिभाग करने हेतु भेजे गये हैं। इसके बाद आत्मा योजनान्तर्गत भेजे गये कृषक विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड) में भी भ्रमण कर जैविक खेती के विषय में जानकारी प्राप्त करेगें। जिलाधिकारी के द्वारा सभी कृषकों से अपेक्षा की गई कि पन्तनगर भ्रमण कर अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें तथा वापसी के उपरान्त जनपद के अन्य कृषकों को भी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करायें। कृषक बृजपाल, सियाराम, वीरपाल सिंह, बृहमानन्द, ग्रीशचन्द्र, जवाहर लाल आदि कृषकों के द्वारा बताया गया कि पन्तनगर विश्वविद्यालय में उन्नत श्रेणी का बीज उचित मूल्य पर प्राप्त होता है, जिसे क्रय कर बुआई की जायेगी इसके अतिरिक्त अन्य विषयों पर भी जानकारी प्राप्त की जायेगी। कृषकों के साथ उप कृषि निदेशक कार्यालय से रामकिशोर, संजीव राजपूत, एवं अनूप कुमार तिवारी, ए0टी0एम0 को भी कृषकों की उचित व्यवस्था हेतु प्रभारी नामित कर भेजा गया है। कार्यक्रम में संजय सिंह, उपजिलाधिकारी, बी0के0 सिंह, जिला कृषि अधिकारी, सत्येन्द्र सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी आदि अन्य उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय भंडसर में एलसीडी से पा रहे सामान्य ज्ञान की शिक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालय भी अब कान्वेंट स्कूलों जैसी मूलभूत सुविधाओं से पूरी तरह लैस हैं। थाना हाफिजगंज के गांव भंडसर में कम्पोजिट विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को सामान्य ज्ञान की शिक्षा अब एलसीडी के माध्यम से लघु फिल्मों को दिखाकर उन्हें कुशल बनाया जा रहा है। प्रधानाध्यापिका रमा यादव ने बताया अभी गांव में बिजली की समस्या बनी रहती है।जिस कारण बीच-बीच में बच्चों को दिखाए जाने वाले कार्यक्रम अधूरे रह जाते हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ -साथ उत्तम स्वास्थ्य के लिए विद्यालय में रोजाना शासन की गाइडलाइन के हिसाब से मिड-डे-मील

योजना के अंतर्गत गर्मागर्म स्वादिष्ट पकवान खिलवाए जाते हैं।शिक्षक -शिक्षिकाएं बच्चों को निपुण बनाने के लिए बड़ी ही मेहनत से उन्हें शिक्षा देती हैं। वहीं खेलकूद के लिए उत्तम व्यवस्था की गई है।इस मौके पर शिक्षिका रुपाली सक्सेना,डिम्मपल रानी, शोभना, सिद्धार्थ,हरीश,शिखा सक्सेना, खलील अहमद, मिथलेश कुमारी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कई दिनों से वांछित चल रहे गिरफ्तार कर लिया हैं युवक मुकद्दमा पंजीकृत था धारा137(2),87 बीएनएस विरेन्द्र पाल निवासी ग्राम जालौन उम्र करीब 20 वर्ष की संपादित की जा रही थी आज उपरोक्त मे वांछित चल रहे पाल निवासी ग्राम रामनगर

युवक को आज डकोर पुलिस ने के खिलाफ थाना डकोर मे मु0अ0स0 125/24 2023 अभियुक्त शिवकुमार पुत्र रामनगर थाना डकोर जनपद विवेचना उ0नि0 पीयूष द्वारा दिनांक 03.10.24 को मुकदमा अभियुक्त शिवकुमार पुत्र विरेन्द्र थाना डकोर जनपद जालौन उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया ।

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने प्रतिबंधित दवा के उपयोग को रोकने और लोगों की पहचान करने के लिए दवा दुकान संचालकों के साथ बैठक की

बोले-बिना डॉक्टर के पर्चे के दवा न दें, नशे के खिलाफ अभियान में मेडिकल-स्टोर संचालक करेंगे सहयोग

क्यूँ न लिखूँ सच

नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों को नशा मुक्ति केन्द्र में कराये भर्ती। सूरजपुर। पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही हैं। नशा की सामग्री न मिलने पर नशे के आदि लोग मेडिकल स्टोर पर मिलने वाली दवाओं सहित अन्य सामग्री का इस्तेमाल नशे के रूप में कर रहे हैं। आज डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सभी मेडिकल संचालकों के साथ जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक कर नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में उनकी सहभागिता पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि हम सभी को अपनी जिम्मेदारियों को समझने की जरूरत है, हमें प्रयास करना चाहिए कि आज का युवा नशे का आदि न हो। मेडिकल स्टोर संचालकों को नशे पर लगाम लगाने के लिए अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा की अगर मेडिकल स्टोर पर कोई व्यक्ति नशे से संबंधित दवा खरीदने आता है और संदिग्ध प्रतीत होता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। जिससे ऐसे व्यक्ति पर सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा सके। कुछ नशेड़ी सिरिंज का इस्तेमाल नशा करने में करते हैं। सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को इस पर ध्यान देना आवश्यक हैं। ऐसे किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रुप से इंजेक्शन और सीरिंज न दें। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के पर्चे के बगैर प्रतिबंधित दवाओं को न दें। साथ ही मेडिकल स्टोर पर बाहर की तरफ जहां ग्राहक खड़े होते हैं सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगाएं। जिससे नशेड़ी लोगों की पहचान कर नशे पर रोक लगाई जा सके। गौरतलब है कि गुरूवार, 03 अक्टूबर को सभी मेडिकल स्टोर संचालकों के द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करने और पुलिस की ओर से दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए नशा करने वाले लोगों को प्रतिबंधित दबाएं और इंजेक्शन, सिरिंज नहीं देने का आश्वासन दिया। एडिशनल एसपी संतोष महतो ने बताया कि प्रतिबंध दवा देने के लिए जो नियम बने हैं, उनका हर हाल में पालन किया जाए। साथ ही बार-बार इस तरह की दवा खरीदने वालों को चिह्नित भी किया जाए। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, निरीक्षक जावेद मियादाद, स्टेनो अखिलेश सिंह, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, समाज कल्याण विभाग के संचालक बेनेडिक तिर्की, ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश शर्मा, अमरेश तिर्की, डीसीडीए अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, नशा मुक्ति केन्द्र संचालक सुरेन्द्र साहू, मेडिकल स्टोर संचालक राजेश गोयल, दीपक मित्तल, नितिन गुप्ता, सतीश पाल, राजेश्वर गुप्ता, दीपेन्द्र पाल, विनोद कुमार, दुर्गेश राजवाड़े, रामनिवास साहू, अनुराग सिंहदेव, संजय, राकेश प्रजजापति, राजेश ठाकुर, प्रदीप जायसवाल, अमित सिंह, डॉ. कृष्णा साहू, राकेश प्रजापति व दीपक रवि मौजूद रहे। नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों को नशा मुक्ति केन्द्र में कराये भर्ती। बैठक में डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने नशा मुक्ति केन्द्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों का निःशुल्क उपचार नशा मुक्ति केन्द्र सूरजपुर में किया जा रहा है जिसका संचालन प्रशासन कर रहा है। नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों की सूचना नशा मुक्ति केन्द्र संचालक अथवा पुलिस को दे ताकि उनके परिजन की सहमति से उनका उपचार कराया जा सके जिससे वह स्वस्थ्य होकर समाज की मुख्य धारा में वापस लौट सके।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

माधौगढ़ पुलिस ने विजली के तार चुराने वाले 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच-नीरज कुमार

माधौगड़ - आज माधोगड़ पुलिस टीम द्वारा मुखबिर द्वारा दी गयी जानकारी पर बंगरा नहर के पास से 6 अभियुक्तों जिनके नाम करन सिंह पुत्र स्व राजेश कुमार दोहरे, अनुज कुमार पुत्र कमलेश दोहरे, सोनू पुत्र बैजनाथ दोहरे ,सुनील पुत्र राजाराम दोहरे,पवन पुत्र शिव कुमार

दोहरे,मुकेश पुत्र राजू दोहरे को 1 तमंचा व जिन्दा कारतूस 315 के साथ गिरफ्तार कर लिया अभियुक्तों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पहले उन्होंने थाना रेढर से बिजली तार कि चोरी कि थी पुलिस ने अभियुक्तों के पास से करीब 2 कुंतल विजली तार वारामद कर लिया हैं पुलिस अभियुक्तों से पूछताछ मे जुटी हैं एवं उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही कि जा रही हैं

कमतरी गाँव की पुलिया ध्वस्त होने से आवागमन बाधित

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम कमतरी गांव में घुसने वालें रास्ते में बनी पुलिया पूरी तरह से टूट गई है जिससे

आवागमन में ग्राम वासियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा यहां तक की गांव दूध डेरी बाली गाड़ी जाना भी बंद हो गया है जिससे गांव के पशु पालक दूध बेचने वाले किसानों का भी रोजगार बंद हो गया है तथा गांव के में किसान बलराम सिंह प्रधान राघवेन्द्र सिंह नंदू यादव लोकेन्द सिंह अवधेश बुधौलिया मोहित कोटेदार रामनरेश यादव ने बताया कि यदि गांव में अचानक किसी की अचानक बीमारी के कारण तबीयत खराब होती है तो उसको भी अस्पताल ले जाना वाहन की गंभीर समस्या है ग्राम के बाशिंदों का जिला मुख्यालय एवं तहसील मुख्यालय जाना बंद हो गया ग्रामीणो ने जिलाधिकारी से मांग की है कि गांव से वाहन निकलने के लिए अविलंब व्यवस्था मुहैया कराई जाएं

प्रधान आरक्षक वीरसाय लकड़ा हुए सेवानिवृत्त, डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। पुलिस विभाग में लगातार 40 वर्ष 7 माह तक सेवा देकर 30 सितम्बर 2024 को सेवा निवृत्त हुये सूरजपुर जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक वीरसाय लकड़ा के सेवानिवृत्ति पर विदाई सम्मान समारोह का आयोजन जिला पुलिस कार्यालय के

सभाकक्ष में किया गया। जहां डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने प्रधान आरक्षक को साल-श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान डीआईजी व एसएसपी श्री एम.आर.आहिरे ने सेवानिवृत्ति के बाद के नए जीवन के पड़ाव की शुभकामनाएं प्रधान आरक्षक को देते हुए कहा कि दिनांक 01/02/1984 से विभाग की सेवा में आए, विभाग में बेहद अच्छा कार्य करते हुए अधिनस्थों को अनुशासन में रहकर कैसे कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें यह बताया। कभी भी आदेश-निर्देश की अवहेलना नहीं किया। सेवानिवृत्त हो रहे प्रधान आरक्षक के स्वस्थ्य, सुखमय पारिवारिक जीवन जीने, दीर्घायु होने की बधाई दी। सेवानिवृत्त हुए प्रधान आरक्षक ने भी अपने सेवा के अनुभवों के बारे में बताया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जिन्होंने हमे खिलाया उन्हे हम खिला न पाये जुगेंद सिंह फौजी

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला प्रताप नगर मे स्थित अति प्राचीन श्री गुप्तेशवर महादेव मन्दिर मे नगर की सबसे बड़ी साहित्यक संस्था श्री बागीश्वरी साहित्य परिषद के तत्वाधान मे एक मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया इस काव्य गोष्ठी मे काव्य पाठ करते पुलिस कर्मचारी जुगेंद सिंह फौजी ने कहा- जिन्हों'ने हमे खिलाया उन्हे हम खिला न पाए,उन्हे हम कहां के बदले मे पानी पानी भी नही पिला पाए हास्य कवि ओंकार नाथ पाठक ओम ने लोगो को खूब हसाया बे बोले- मे तो लाल की जयन्ती मनाऊंगा,गलत फहमी नही जीता हकीकत मे रूबरू

कराऊंगा मुन्ना यादव विजय ने कहा- जब जनता पर जुल्म का कहर जारी था गुलामी का बोक्ष हर आदमी पर भारी था चित्तर सिंह निरंजन ने कहा- भटको नही धुरी पर अपनी पले तो रहो सही पथ पर राजेंद्र सिंह रशिक ने कहा- जमी पर जो गिरते है उनको उठाया जाए किसी बेबस को फिर से गले से गले से लगाया जाये नरेंद्र मोहन मित्र जी ने कहा-अगर इस देश मे वापू न तुम आते तो क्या होता अहिंसा की पताका को न फहराते तो क्या होता संतोष सरल आशाराम मिश्रा ने भी काव्य पाठ किया इस अवसर पर कृष्ण कुमार बिलेया राम सहाय सेठ मालिक राम विहारी सुहाने मुन्ना लोहे वाले ब्रज भूषण लक्ष्मी नारायण माथु ब्रज विहारी ब्रज बिहारी सोनी छोटे सहित कई लोग मौजूद रहे इस गोष्ठी की अध्यक्षता नंदराम स्वर्णकार भावुक ने की

पुरस्कार पाकर खुश गो गये प्रतिभागी

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन)। अग्रसेन महोत्सव के अंतर्गत देर शाम तक पूर्व में सम्पन्न हुई प्रति योगिताओ का पुरुस्कार वितरण समारोह स्थानीय अग्रवाल भवन में चला श्री बीसा अग्रवाल समिति द्वारा आयोजित एवं श्री बीसा अग्रवाल महिला मण्डल द्वारा संयोजित प्रतियो गिताओ में पुरुस्कार पाकर प्रतिभागियो के चेहरे खिलखिला उठे। कलर पानी क्लैक्शन प्रतियोगिता में रिया अग्रवाल पुत्री मनोज अग्रवाल ने प्रथम स्थान पाया वही एन्जल पुत्री प्रशांत ने द्वितीय सृष्टि पुत्री श्यामजी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वही ग्रुप द्वितीय में प्रथम प्रत्युष पुत्र आशुतोष गौरी पुत्री योगेश को द्वितीय कोमल पुत्री दिनेशचंद्र को तृतीय स्थान मिला। वही तृतीय ग्रुप में पलक अग्रवाल पुत्री राजेंद्र अग्रवाल को प्रथम गुंजन पुत्री नीलेश को द्वितीय स्थान मिला। वही रस्सी खींच प्रति योगिता के ग्रुप वन में प्रसन्न अग्रवाल पुत्र प्रवीन अग्रवाल ने प्रथम वेदया अग्रवाल पुत्री प्रशांत ने द्वितीय स्थान पर अपना परचम लहराया। वही धानी पुत्री दिनेश ने प्रथम व्योम पुत्र आनंद ने द्वितीय आरुष पुत्र रितेश अभि पुत्र प्रशांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वही ग्रुप तीन में श्रेया पुत्री श्यामजी ने प्रथम खुशी पुत्री अनिल ने द्वितीय शुभ पुत्र कृष्णबिहारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वही फल खिलाओ प्रतियोगिता में प्रथम अग्रवाल ने वेदया पुत्र प्रशांत द्वितीय सृष्टि पुत्री मनीष ने द्वितीय स्थान ग्रुप सेकेण्ड में पाखी पुत्री राकेश ने प्रथम गौरी पुत्री प्रवीन ने द्वितीय एन्जल पुत्री प्रशांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय ग्रुप में श्रेयसी ने प्रथम इशिता ने द्वितीय मानसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता में व्योम अग्रवाल पुत्र आनंद ने प्रथम एन्जल पुत्री प्रशांत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही द्वितीय समूह में अंश ने प्रथम नव ने द्वितीय एवं प्रत्युष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हैंडी क्राफत में प्रथम समूह में एन्जल माही ने क्रमशः प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही द्वितीय ग्रुप में सौम्या अग्रवाल पुत्री श्याम जी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में चंचल पत्नी प्रशांत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कलश सजाओ प्रति योगिता में चंचल पत्नी प्रशांत ने प्रथम दीपाली पत्नी दिनेश ने द्वितीय सोनाली पत्नी जीतेन्द्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया सभी विजेता प्रतिभागि यों को रूचि, राजेश्वरी, प्रीति नम्रता, नीतू, सीमा, माधुरी, रशमि, ज्योति, रिंकी, साधना, डॉ सरिता, सुनीता, सोनाली, नीलम, शैलजा, प्रियंका, प्रीति, सुमन स्वेता रूचि ग्रांड टिफिन, रिंकी अर्चना, अर्चना मनोज गिरवासिया संगीता पदमा, रूचि, रजनी सुलेखा,राखी, रचना, राखी सराफ , शालिनी आदि महिला मण्डल की महिलाओ ने शील्ड देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन महिला मण्डल प्रभारी आशुतोष अग्रवाल ने किया

शैक्षिक भ्रमण सरस्वती यात्रा मे शामिल हुयी छात्राए

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडी कोंच मे विद्या भारती की योजना के अनुसार आज विद्यालय मे सरस्वती यात्रा का कार्यक्रम रखा गया जिसमे सात टोली बनायीं गयी हर टोली मे वीस छात्राओ ने सह भागिता की सरस्वती यात्रा के शुभारंभ मे विद्यायक मूलचंद निरंजन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सतेन्द निरंजन शीलू, समाजसेवी संजय अग्रवाल दतिया बाले, शिवप्रसाद निरंजन नगर पालिका के सभासद दंगल सिंह यादव, सभासद नरेश कुशवाहा, हिम्मत यादव, शैलेन्द्र नगाइच ढप्पू, सत्य प्रकाश दुबे आदि ने हरी झंडी दिखाकर टोलियो को रवाना किया प्रधानाचार्या

आभा तिवारी के निर्देशन मे सरस्वती यात्रा के टोलिया मंडी सचिव कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक मंडी शाखा, रेलबे स्टेशन, डाक घर, कोतवाली, क्षेत्राधिकारी कार्यालय, दूरसंचार विभाग, सरोजनी नायडू पुस्तकालय गयी जिसमे उन्हें बहुत नयी नयी जानकारी हुयी क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह कोतवाल अरुण कुमार राय ने समस्त छात्राओ को अपनी पूरी कार्य प्रणाली से अबगत कराया एबं विस्तृत जान कारी देकर छात्राओ का मीठा कराया इस अबसर पर विद्यालय के पंकज बाजपेई, सरोज खरे, ज्योति गुप्ता, शुर्ति गुप्ता, बंदना अवस्थी, रौली मिश्रा, दिव्या मिश्रा, वेदप्रकाश निरंजन, मनीष अग्रवाल, विवेक तिवारी, शैलेन्द्र यादव, राजीव राठौर, नरेंद्र सिंह, मनोज दुबे, आनंद भरजद्वाज, सरला मिश्रा, रवि कुमार, रंजना तिवारी, नीतू गर्ग, सहित पूरा विद्यालय परिवार टोलियो के साथ रहा सभी कार्यालय मे कार्य रत अधिकारी एबं कर्म चरियो का आभार एबं धन्यवाद प्रधानाचार्या आभा तिवारी ने किया

एम्बुलेंस व कार में भिड़ंत से चिकित्सक सहित हुए नौ घायल

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। एम्बुलेंस और कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें फतेहगढ़ के चिकित्सक सहित नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सरकारी एम्बुलेंस द्वारा लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। फतेहगढ़ के कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हाथीखाना निवासी डॉ. बाल गोविन्द दुबे, शांतिनगर निवासी भोला सिंह श्रीवास्तव के साथ मैनपुरी जा रहे थे। उसी दौरान थाना जहानगंज के ग्राम रतनपुर के निकट मुख्य मार्ग पर, सामने से आ रही एम्बुलेंस से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई, जिससे कार सड़क किनारे खड्ड में जा गिरी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एम्बुलेंस में छिबरामऊ

निवासी कमलेश (27), जो अपनी पत्नी सन्नो (30) को तबियत खराब होने पर फर्रुखाबाद ला रहे थे, भी हादसे का शिकार हो गए। एम्बुलेंस में सन्नो के साथ ही कमलेश, एम्बुलेंस चालक अंकुर (हापुड़ निवासी), हरीकिशन (36), श्रीकृष्ण (40), कुसुमलता (40), और कृष्णपाल (55) भी घायल हो गए। सूचना मिलने पर दारोगा अच्छे लाल पाल घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस द्वारा लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया।

6 जनपद स्तरीय आवास मेले तथा 41 सेक्टरों में संपन्न हुआ आवास चौपाल का कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक योजनांतर्गत भूमि पूजन एवं गृह प्रवेश कार्यक्रम किए जाने के निर्देश प्राप्त है। जिसके परिपालन में कलेक्टर श्री रोहित व्यास व सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में मिशन मोड में रणनीति तैयार कर योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्त मेले या चौपालों में सभी हितग्राहियों को योजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया जा रहा है। हितग्राहियों को पंपलेट वितरित कर आवास का डायग्राम, लगने वाली सामग्रियों, तकनीकी जानकारियां व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में बताया जा रहा है। विगत वर्ष के ऐसे हितग्राही जिन्होंने कम समय में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण कर लिए है उन्हें प्रमाण पत्र, चाबी व मिष्ठान देकर सम्मानित करते हुए गृह प्रवेश कराया जा रहा है। हाल ही में स्वीकृति प्राप्त हितग्राहियों के आवास का विधि विधान से भूमिपूजन व स्वीकृति पत्र प्रदाय करते हुए, जल्द आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके साथ ही मेले व चौपाल में आस पास के सप्लायर्स व मेसन को भी आमंत्रित करके हितग्राहियों के साथ समन्वय स्थापित कराई जा रही है। सभी जनपदों को मिलाकर अभी 20 सेक्टरों में चौपाल लगने शेष हैं जिनमे 7 अक्टूबर को शिविर आयोजित होने है। हितग्राहियों से अपील है अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर योजना के बारे में जाने, आवास की राशि आपकी है इससे आपको आवास निर्माण कराना है किसी के बहकावे में आकर दूसरे को राशि या अन्य कार्यों में खर्च करने की गलती ना करें। उक्त कार्यक्रमों में अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में हितग्राही व ग्रामीणजन उपस्थित हो रहे है।

ग्राम पंचायत छिंदिया में विधायक द्वारा आवास चौपाल का किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार व मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के मार्गदर्शन में विकासखंड रामानुजनगर के समस्त ग्राम पंचायत में चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत छिंदिया में विधायक श्री भूलन सिंह मरावी के द्वारा आवास चौपाल का निरीक्षण किया गया एवं हितग्राहियों को आवास बनाने हेतु उत्साहित किया गया एवं उनके द्वारा हितग्राहियों को जल्द आवास आवास बनाने के लिए बोला गया एवं मकरबंधा में 03 गणेशपुर में 03 लवजी में 02 पतरापाली में 03 हितग्राहियों को आवास को समय सीमा में आवास निर्माण करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जिसे हितग्राहियों में खुशियों की लहर है अंगामी दिनो में लाभान्वित होने वाले आवास हितग्राही जिसमें उनका नाम स्थाई प्रतिशत सूची में पात्र हितग्राहियों 1152 एवं आवास प्लस 230 परिवारों को आवास का लाभ दिया गया है साथ ही वित्तीय वर्ष 2016 से 2023 तक अपूर्ण आवास 282 आवास के हितग्राहियो के द्वारा राशि लेने के पश्चात आवास पूर्ण नहीं किया है उनको बताया गया कि अगर आपके द्वारा आवास नहीं बनाते हैं हितग्राहियों के नाम पर स्वीकृत आवास को निरस्त करते हुए वसूली के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में मामला भेजा जाएगा और आगामी किसी की राशि जारी नहीं किया जाएगा सभी सभी पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का जानकारी एवं लाभ दिया जायेगा

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

निमाड़ी गम्मत महा मुकाबला आज

क्यूँ न लिखूँ सच-प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर जयनगर कॉलोनी मे निमाड़ी गम्मत का मुकाबला 5 अक्टूबर शनिवार को शाम 8:00 बजे निमाड़ की दो पार्टियों जामनिया और केदार खेड़ी के बीच होगा। जानकारी आयोजक मांगीलाल पथरिया ने बतलाया आयोजन गायत्री मित्र मंडल द्वारा विगत कई वर्षों से किया जा रहा है।

सभी लोग समय पर उपस्थित होकर निमाड़ी गम्मत का आनंद लें। प्रवेश सभी के लिए निशुल्क है। जिसमें सभी लोग सादर आमंत्रित हैं। महिलाओं के बैठने की अलग से व्यवस्था की गई है। पिछले वर्ष कलाकारों को शील्ड देकर पूर्व पार्षद मांगीलाल पथरिया ने सम्मानित किया था।

भाजपा के सदस्यता अभियान को दिव्यांग प्रकोष्ठ ने किया गतिमान

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/ कमालगंज। विकास खंड कमालगंज के रजीपुर ग्राम सभा में भाजपा के सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिए भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के जिला संयोजक आशीष दुबे के नेतृत्व में में 543 सदस्यों को बनाया गया। भारतीय

जनता पार्टी दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक अभिषेक त्रिवेदी ने कहा जनपद अंदर केवल दिव्यांग प्रकोष्ठ ने 1290 सदस्य बनाए हैं जिसका पूरा रिकार्ड प्रदेश को भेजा जा चुका है। जिला संयोजक आशीष दुबे ने कहा कि दिव्यांग प्रकोष्ठ 5000 हजार सदस्य बनाएगा जिसमें सभी दिव्यांग जन् ही होगे। इस मौके पर धीरज दुबे भीमसेन राजपूत प्रेम सागर सक्सेना क़ालेश्वर दायल शर्मा मुन्ना लाल रवि दुबे जी शिवेंद्र सिंह

रामलीला कमेटी अध्यक्ष की शिकायत पर संज्ञान

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद अमृतपुर। थाना राजेपुर परिसर में एसडीएम अतुल कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी अमृतपुर रविंद्र नाथ राय के नेतृत्व

में पीस कमेटी की बैठक हुई थी। बैठक में रामलीला कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह फौजी ने एसडीएम से राजेपुर चौराहा से लेकर ब्लॉक गेट तक की खराब सड़क के संबंध में शिकायत की थी। सड़क को दुरुस्त करने का निवेदन किया था। एसडीएम ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी के संबंधित अधिकारियों को फोन कर आवश्यक निर्देश दिए थे। गुरुवार को निर्देशों का असर देखने को मिला और पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों ने राजेपुर चौराहे से लेकर ब्लॉक गेट तक की खराब हुई सड़क को जेसीबी से उखाड़ दिया है। जल्द ही सड़क को बेहतर ढंग से दुरुस्त किए जाने के आसार हैं।

अज्ञात कारणों से लगी आग आभूषण सहित नगदी भी जल कर हुआ खाक

क्यूँ न लिखूँ सच-हरिगोविन्द चौबे

कुशीनगर- पटहेरवा थाना क्षेत्र के जवार गांव निवासी ललिता देवी और रविता देवी के घर मे बृहस्पतिवार की शाम को अज्ञात कारणों सेआग लग गई। जिसमें घर में रखा सिलाई मशीन,सोने चांदी का आभूषण व नगदी सहित पलँग अलमारी आदि लाखो की संपत्ति जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पीड़ित ललिता देवी पत्नी संजय ठाकुर और रविता देवी पत्नी अरबिंद ठाकुर ने बताया कि बृहस्पतिवार की शाम वह अपने बच्चे को इलाज कराने के लिए फाजिलनगर गयी थी।और उसकी एक देयादिन ललिता देवी बकरी चराने चली गयी थी।इसी बीच किसी ने जोर से चिल्लाने की आवाज आई कि आग लग गई यह बात सुन कर ललिता देवी बकरी छोड़ कर दौड़ती हुई पहुची तो देखा मेरा ही घर जल रहा है।उन्होंने ने जोर जोर से चिल्लाने हुये आग बुझाने लगी। गांव के लोग आते इस बीच घर में रखा सिलाई मशीन,चारपाई,गेंहू,चावल चौकी,पलँग,पेटी सोने चांदी का आभूषण और नगद पैसा आदि लाखो रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गया।सूचना पर पहुची पटहेरवा थानाध्यक्ष दिपक सिह धीरेंद्र सिंह,फूलचंद चौधरी,रामप्रवेश यादव आदि बदौलत आग पर काबू पाया गया लेकिन घर मे रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। थानाध्यक्ष दीपक सिह ने बताया कि घर में आग लगने के कारण अब तक पता नही चला है।कानूगो को फोन किया गया है।उन्होंने कहा है मौके पर पहुचकर आकलन कर रिपोर्ट तहसील में भेज दी जाएगी पीड़िता का पूरा सहयोग किया जाएगा।

डकैती की योजना बनाने वाले 6 आरोपियों में 10000 का इनामी बदमाश गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच-प्रदीप द्विवेदी

आरोपियों के पास से दो बाराह बोर कट्टे एक लोहे का चाकू टॉमी फ्लायर ?15000 नगद और लूट का सामान बरामत किया पीथमपुर सेक्टर नंबर 3 मंगलवार को स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में डकैती की योजना बनाते हुए रंगे हाथ 6 आरोपियों मुकेश उर्फ जाम सिंह पिता रतन सिंह मसानिया उम्र 40 राहुल उर्फ मेथू पिता रतन सिंह मसानिया उम्र 25 कैलाश पिता रतन सिंह मसानिया उम्र 28 सुरेश पिता शोभाराम उम्र 28 सुनील उर्फ ननकी पिता बल्लू मुवेल उम्र 23 बबलू पिता मोहन डाबर उम्र 28 निवासी खेड़ा सागौर के रहने वाले को सागौर पुलिस ने गिरफ्तार किया ।योजना बनाने वाले आरोपियों के पास से दो 12 बोर के कट्टे जिंदा कारतूस लोहे का चाकू हथौड़ी प्लेयर पेचकस एक पॉलिथीन मिर्च 15000 रुपए नगद एवं अन्य सामग्री जप्त किया इन आरोपियों में मुकेश उर्फ जाम सिंह मसानिया बदमाश इसके ऊपर ?10000 का इनाम रखा गया था जो की 4 साल से फरार चल रहा था और इसके तीन साथी राहुल उर्फ मिठू मसानिया कैलाश मसानिया सुरेश चौहान इनके ऊपर पूर्व में भी प्रकरण और उनके गिरफ्तारी वारंट और इस्थाए वारंट निकले हुए थे सागौर थाना प्रभारी प्रशांत पाल ने बताया गुरुवार को दिन मैं मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की नेट्रेक्स मै एसआईपी कंपनी के आगे खाली बिल्डिंग में कुछ अज्ञात व्यक्ति डकैती की योजना बना रहे हैं सूचना प्राप्त होते ही तुरंत सागौर थाने से पुलिस की टीम गठित कर रवाना किया गया और वहां दबीस दी गई बाउंड्री वॉल के पीछे 6 संगिध व्यक्तियों को देखा गया आपस में बात कर रहे किसी कंपनी में चोरी डकैती के योजना बना रहे थे घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा गया पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल किया उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया आरोपियों पर लूटपाट वह डकैती के प्रयोजन में धारा 310/ 4. 310 / 10 एवं 25 ए 27आमस एक्ट का केस दर्ज किया गया। सफलता पूर्वक आरोपियों को पकड़ने में प्रदीप यादव ओमेंद्र सिंह भाटी अनिल राठौड़ संजय सिसोदिया रवि चौधरी संजय गवाद राजू परमार अरविंद मंडलोई का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंडलायुक्त झांसी मंडल झांसी श्री विमल कुमार दुबे ने तहसील उरई में विभिन्न पटलों का औचक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए

क्यूँ न लिखूँ सच-नीरज कुमार

उरई -मंडलायुक्त महोदय ने तहसील के विभिन्न पटलो का निरीक्षण कर कर्मचारियों से सम्बंधित पटलों के बारे में जानकारी कर कार्यालय में पत्रावलियो के रख-रखाव की व्यवस्थाओ का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन मानस द्वारा दर्ज करायी जाने वाली शिकायतो का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्ता पूर्ण व समयबद्धता पूर्वक निस्तारण कराने के साथ ही तहसील न्यायालय में दर्ज वादों का भी ससमय निस्तारण किया जाए। उन्होंने न्यायालय कि पंजिका में दर्ज वादो की स्थिति का जायजा लेते हुए न्यायालय में दर्ज वादो को ससमय निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने आर०सी०सी०एम०एस० पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रियल टाइम खतौनी पोर्टल पर दिखना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि बड़े बकायेदारों की सूची जारी कर राजस्व वसूली करना सुनिश्चित करे। उन्होंने सेवा पुस्तिका का भी अवलोकन कर निर्देशित किया कि टीम गठित कर अधिकारियों व कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका अपडेट करना सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त महोदय ने तहसील की कार्य प्रणाली पर प्रशंसा जाहिर की। उन्होंने निर्देशित किया कि न्यायालय के पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करे। उन्होंने लंबित जांचो को सुव्यवस्थित करने के लिए कंप्यूटर प्रणाली विकसित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन की मंशानुरूप ही कार्य किया जाए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) संजय कुमार को निर्देशित किया कि जो भी निर्देश आज यहाँ आदेश दिए गए इसी प्रकार जनपद की समस्त तहसीलो में अनुपालन किया जाए। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा ब्याडवाल, तहसीलदार शेर बहादुर सिंह, नायब तहसीलदार आदि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन हेतु समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपी नेडा) फर्रुखाबाद के तत्वावधान में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बिजली विभाग को निर्देशित किया कि वह उपभोक्ताओं को योजना के लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करें। साथ ही, उपभोक्ताओं को नेट मीटरिंग की सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी विद्युत विभाग की होगी। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी और एलडीएम को बैंकों के लिए लोनिंग लक्ष्यों को निर्धारित करने का निर्देश दिया। योजना के तहत फर्रुखाबाद जनपद को 14,000 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। नई गाइडलाइन के अनुसार, 3 किलोवाट तक के लोन के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) की आवश्यकता नहीं होगी। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि पीओ नेडा सभी वेंडरों के मोबाइल नंबर संबंधित ईओ और बीडीओ को उपलब्ध कराए। जिलाधिकारी ने योजना के प्रचार-प्रसार के लिए हैंडबिल बांटने और अक्टूबर तक 50 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अधीक्षण अभियंता विद्युत, अपर उप जिलाधिकारी सदर, एलडीएम, और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिवंगत शशिकांत वर्मा की श्रृद्धांजलि सभा आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। अखिल भारतीय लोधी लोधा महासभा के तत्वावधान में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और एटा सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड के दिवंगत भाई शशिकांत वर्मा की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रेमपुष्प गेस्ट हाउस, कमालगंज में किया गया। इस सभा में लोधी समाज के गणमान्य लोगों ने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी उपस्थित लोगों ने दिवंगत शशिकांत वर्मा के सरल और मृदुल स्वभाव की भूरि भूरि प्रशंसा की। सभा के अंत में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महासभा के प्रदेश महामंत्री परशुराम वर्मा, जिला अध्यक्ष महेशचन्द्र राजपूत, भाजपा जिला मंत्री डा. धर्मेन्द्र राजपूत, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष रामलड़ैते राजपूत, सेवानिवृत्त आयकर विभाग के जवाहर सिंह राजपूत, और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। आयोजित सभा में बेचेलाल वर्मा, अमर सिंह राजपूत, रामपाल महात्मा जी, प्रेमपाल राजपूत (एडवोकेट), अभिषेकानंद जी, शिवकुमार गोयल, प्रबल वर्मा, प्रतिवन सिंह वर्मा, सुभाष चन्द्र वर्मा, साकेत वर्मा, इंद्रेश राजपूत (प्रधान), अध्यापक राजेंद्र सिंह राजपूत, सतीश राजपूत, रामनरेश फौजी, डा. राम बरन राजपूत, प्रवीन वर्मा, जीतू सिंह वर्मा, सोबरन सिंह, सहित कई अन्य लोग भी शामिल हुए।

दशहरा व दीपावाली को लेकर प्रशासन का पटाखा गोदामों पर छापेमारी अभियान,व सुरक्षा निर्देश जारी

क्यूँ न लिखूँ सच-अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। त्योहारों के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन ने पटाखा गोदामों पर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। शुक्रवार को एसडीएम और सीओ मोहमदाबाद अरुण कुमार ने जहानगंज सहित कई क्षेत्रों में छापेमारी करते हुए थोक पटाखा गोदामों का निरीक्षण किया। इस दौरान गोदामों में स्टॉक की जांच की गई और सुरक्षा उपायों का भी जायजा लिया गया। एसडीएम ने लाइसेंस धारकों को निर्देश दिया कि ग्राहकों को पटाखे बेचते समय पूरी सावधानी बरतें और एक स्थान पर अधिक भीड़ एकत्र न होने दें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि सभी गोदामों में आग बुझाने के उपकरण सही हालत में हों। अग्निशमन विभाग ने आतिशबाजी बनाने और बेचने वालों के साथ बैठक कर सुरक्षा उपायों पर जोर दिया। गोदामों के पास बालू, पानी और अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता अनिवार्य की गई है।इस दौरान थाना अध्यक्ष जहानगंज जितेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे। पटाखा विक्रेताओं को शासन की गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें भीड़ नियंत्रण और आग से बचाव के उपायों को प्राथमिकता दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

शहीद मलखान सिंह उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव में पहुचा, ग़मगीन माहौल अंतिम संस्कार किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कैराना। लोकसभा क्षेत्र के गांव फतेहपुर (ननोता) के मलखान सिंह, वीर सपूत थे, जिन्होंने 1968 में भारतीय सेना के एक ऑपरेशन में अपनी जान न्योछावर कर दी। आज उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव में लाया गया, जहां उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने का अवसर मिला। समाज सेवी मरगाका सिंह भी अंतिम संस्कार पर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। हम उनकी याद में गांव में समाधि स्थल और सड़क का नामकरण करने का प्रयास करेंगे। साथ ही, महामहिम राष्ट्रपति महोदया से उनको शहीद का दर्जा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। सैकड़ों की संख्या में लोगो मौजूद रहे।

हाथरस में डीएपी खाद के लिए मारामारी

क्यूँ न लिखूँ सच-संतोष उपाध्याय

अलीगढ़ हाथरस में डीएपी खाद की कमी और कालाबाजारी की समस्या ने किसानों को मुश्किल में डाल दिया है हाल ही मे कई सहकारी समितियों पर डीएपी न मिलने के कारण किसानों ने हंगामा किया 7 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया किसानों को आलू,सरसों, गेहूं जैसी फसलों की बुआई के लिए आवश्यक डीएपी की जरूरत है 7 लेकिन जिले में इसकी आपूर्ति पर्याप्त नहीं हो रही 7 कई किसान सुबह से ही सहकारी समितियों के बाहर लाइन में लगते हैं लेकिन उन्हें अपेक्षित मात्रा में डीएपी नहीं मिल पा रही है महो की सहकारी समिति पर आज सुबह 4ः00 से ही महिलाएं और पुरुष लाइन में खड़े थे 7 लेकिन घंटो इंतजार करने के बाद भी कई किसानों को खाद नहीं मिल सका 7 इसके अलावा सिकंदराराउ और सदाबहार क्षेत्र में भी स्थिति समान रही, जहां किसानों ने हंगामा किया 7 किसानों का आरोप है कि डीएपी की कालाबाजारी हो रही है 7 और अधिकारियों की तरफ से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है लेकिन किसानों की निराशा बढ़ती जा रही है 7

महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में आयोजित किए गए कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच-रमाशंकर तोमर

इस वर्ष महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में अग्रवाल समाज देवेंद्र नगर द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिवस आनंद मेला एवं स्टॉल का आयोजन किया गया जिसमें सुंदर-सुंदर व्यंजनों का समाज द्वारा रसपान किया गया एवं बच्चों ने गमों का आनंद दिया दूसरे दिन के कार्यक्रम में बाल प्रतियोगिताएं एवं शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और तीसरे दिन नगर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जिसमें टू व्हीलर एवं कारों के माध्यम से नगर के हर गली से होकर महाराजा अग्रसेन जी की यात्रा गुजरी जिसका समापन रेनबो पब्लिक स्कूल में किया गया तत्पश्चात शाम 4ः00 बजे से महाराजा अग्रसेन जी की महा आरती पूजा अर्चना हुई इसके पश्चात प्रसाद का वितरण हुआ अग्रवाल समाज का स्वल्पाहार हुआ और अंतिम चरण में इन तीन दिनों में जिन बच्चों या बड़ों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया उन सभी प्रतियोगियों को समाज के सम्मानित व्यक्ति द्वारा पुरस्कार दिया/

This ancient temple of Maa Durga opens only for nine days in a year, devotees come from far and wide to get a glimpse of the goddess

There are many ancient and historical temples of Maa Durga in the country which have their own significance. From today, the festival of Shardiya Navratri 2024 is being celebrated across the country. On this special occasion, people are reaching the temples of Goddess Mother to see her. In such a situation, today we will know about an ancient temple of Odisha which opens only for 9 days in a year during Navratri. There are many ancient and famous temples of Maa Durga across the country. One such temple is also located in Paralakhemundi district of Odisha. This temple also opens only for nine days of Navratri. The holy festival of Shardiya Navratri has started from today. It is one of the major festivals of Hinduism, which is celebrated every year in the month of Ashwin. During this, nine forms of Maa Durga are worshiped and fasting is also done. Apart from this, these days there is a rush of devotees in the temples to have darshan of Goddess Maa. India is a country of temples. Here many small and big temples are found at every step, which have their own cultural and religious significance. One such temple is located in Odisha, which is considered a unique temple for many reasons. Usually, on hearing the name of Odisha, the first thought that comes to mind is the Jagannath temple, but there is also a unique temple of Mata Rani in Odisha, which opens only during Navratri. There is a small Durga temple in Paralakhemundi of Gajapati district, about which very few people know. In such a situation, on the occasion of Navratri, today we will tell you about this unique temple - The doors remain closed throughout the year - This very less famous temple remains open only for nine days in a year during Navratri. In Oriya, this temple is known as Dandu Maa. This is a very old temple, where a large number of people from Odisha and Andhra Pradesh come during Navratri. The special thing is that unlike other temples, this temple remains closed for the rest of the year and is open only during the nine days of Navratri. This tradition of opening the temple only for nine days in a year has been going on since unknown times and its reason is also unknown. The temple opens only for nine days The doors of this temple are opened only on the first day of Navratri. After this, many rituals take place here, which continue till midnight of the last day of Navratri. After this, the door of the temple is closed till the next year with coconut prasad in an earthen pot. The special thing is that when the door of the temple is opened the next year, it remains as it is, which is later given to the devotees visiting the temple during Navratri. People come from far and wide - This Durga temple, one of the many ancient temples of the city, holds a special place in the cultural beauty of the city. People come here from far and wide during the holy period of Navratri. This is the only time of the year when devotees can get a glimpse of the Goddess who is known as Dandamaramma in Telugu and Dandu Maa in Odia. Talking about this city, Paralakhemundi or Parala is one of the oldest municipalities in Odisha established in 1885. The people of this city mostly speak Telugu and Odia and this place borders Andhra Pradesh.

Small Pumpkin Seeds are a treasure trove of qualities, eating them daily will improve your health and enhance your beauty

These days, the trend of eating different types of seeds has increased a lot among people. People often include many seeds in their diet. Pumpkin Seeds is one of these which is full of many qualities. Eating these seeds daily gives many benefits. Let's know the benefits of pumpkin seeds. Proper diet is very important to stay healthy. These days, there are rapid changes in the lifestyle of people, due to which health can also be affected a lot. In such a situation, people include many healthy things in their diet to keep themselves healthy and fit. Seeds are one of these, which benefit health in many ways due to being rich in many nutrients. Pumpkin seeds is one of these, which is full of many essential vitamins and minerals. Usually people like to eat them as snacks, but these small seeds are much more than just evening snacks. By including them in your daily diet, you get many benefits. In such a situation, today in this article we will tell you some surprising benefits of eating pumpkin seeds daily - Immunity booster Pumpkin seeds are rich in antioxidants like vitamin E and zinc, which protect the body from harmful free radicals and help fight infection. Control cholesterol The plant-based omega-3 present in pumpkin seeds helps in reducing bad cholesterol, which also keeps our heart healthy. Beneficial for bone health - The magnesium present in the seeds helps in improving bone health. Magnesium also plays a very important role in maintaining bone density and strength. Beneficial for the heart - These seeds contain magnesium, which helps in controlling heart rate and helps in maintaining your overall health. Regular intake of magnesium can reduce the risk of heart disease. Control blood sugar level- If you are a diabetic patient, then you can include pumpkin seeds in the diet to control blood sugar. They contain protein and healthy fats, which help in controlling blood sugar levels and improving insulin regulation. Improves gut health- Eating pumpkin seeds regularly can help prevent constipation. This improves digestive health. Fiber also acts as a prebiotic, which nourishes the good bacteria in your gut, which improves overall digestive health. Beneficial for skin and hair- If you also want glowing skin and long beautiful hair, then definitely include pumpkin seeds in your diet. Zinc and vitamin E present in these seeds help in repairing the skin, while omega-3 fatty acids help in keeping our skin hydrated and your hair healthy and shiny.

5 signs tell how true your love is, will the relationship break soon or will the relationship last long?

People always have some questions in their mind about their relationship. Is your relationship as strong (healthy relationship) as you think or will it soon reach the verge of breaking? If you are also trying to find answers to some such questions, then this article is for you. Let's understand with the help of 5 signs. Many people are confused about their relationship. Often people have questions about their partner. With the help of some signs, you can identify a strong relationship. Everyone wants their relationship to be strong and happy, but is your relationship really healthy (healthy relationship)? Many times we feel that everything is fine, but some things keep bothering us inside. Are you also in a bit of dilemma about the health of your relationship? If yes, then this article is for you. We will tell you some such questions (relationship advice), whose answers will show you the real picture of your relationship. Are you happy in the relationship? Many times we feel trapped in our relationship. We laugh and joke with our partner, but inside something feels incomplete. Do you also feel like this? If yes, then it is possible that your relationship is not as happy as it appears. A true relationship is one in which both partners feel safe with each other and spend time happily. How to deal with ups and downs? - We all know that there are ups and downs in every relationship. But do you know that how these ups and downs are handled is the biggest measure of the strength of your relationship. If your relationship is going through a difficult phase, then it is important to know how hard your partner is working to save this relationship. If both of you are trying to find solutions to the problems together, then your relationship is very strong. Do you feel a lack of support? - Everyone wants their partner to support them in fulfilling their dreams. But does your partner give the same importance to your dreams? If both of you are working together to fulfill each other's dreams, then your relationship is very strong. A true relationship is one in which both partners try to build a better future together. How is the mutual coordination? - If you do not feel emotionally connected with your partner, then your relationship can weaken. In a relationship, both partners take care of each other's every small and big need. Even if it is about physical relationship. If it has been a long time since your relationship and you are still not able to talk openly about this with your partner, then you need to pay attention to this. Do you have to think before talking? - Many times we feel that everything is fine in our relationship because we do not fight with our partner, but is this really a sign of a healthy relationship? In a healthy relationship, both partners talk openly with each other and share their feelings. If you hesitate to share your feelings with your partner, then you need to look into your relationship.

'Junior Shetty' replaces Sunil Shetty in Border 2, what did Sunny Deol announce

Whenever there is talk of action films in Bollywood, the name of Sunny Deol's hit movie Border definitely comes to mind. After 27 years, the second part of this movie is coming.

Slowly, the curtain is also being lifted on its cast. After Varun Dhawan and Diljit Dosanjh, another soldier has entered it. The film Border 2 will be released in 2026- Varun Dhawan will also be a part of Border 2- Sunny Deol's action will be seen in the film. JP Dutta's film Border, released in 1997, was the biggest hit film of that time which was declared an all-time blockbuster at the box office. It was a multi-starrer film in which Sunny Deol, Sunil Shetty, Jackie Shroff, Akshay Khanna, Puneet Issar, Sudesh Berry, Kulbhushan Kharbanda and many other actors were seen. Encouraged by the success of the film, JP Dutta recently announced the sequel of the film, Border 2. Now after 27 years, this franchise is returning to the big screen with Border 2 directed by Kesari fame Anurag Singh. Who all are included in the cast - Sunny Deol will once again be seen as the lead. Earlier there was news that Ayushmann Khurrana would be cast as a soldier in this film. However, there was no truth in that news. After this, Sunny Deol officially announced that Varun Dhawan and Diljit Dosanjh would be part of its cast. At the same time, now the fourth soldier has also entered it. You must have seen Sunil Shetty in the role of Bhairav ??Singh in the first part. Now Junior Shetty i.e. Ahan Shetty is going to be seen in its sequel. Sunny Deol has officially informed about this by sharing the promo video of the film on his official Instagram handle. When will the film be released - Border 2 will be released on January 23 in the year 2026. JP Dutta is not directing this film, while his daughter Nidhi Dutta is producing it. This time too the story of the film or some part of it can be based on the war between India and Pakistan.

Where did Bollywood's 'Henna' go missing? After three failed marriages, this is how the Pakistani actress now manages to survive

In the 90s, actor Rishi Kapoor's cult movie Henna won the hearts of the audience. The story and songs of this film are still discussed today. A Pakistani actress was also present in the lead role in Henna, whose name was Zeba Bakhtiar (Henna Actress). In terms of beauty, she could even compete with Mandakini. Let's know where she is now. Zeba Bakhtiar was seen in the movie Henna. Zeba had a connection with the Pakistani film industry. Where and

what does Bollywood's Henna do now? 'Main hoon khushrang Henna', the voice of singer Lata Mangeshkar and this wonderful song from the film Henna still soothes the hearts of the people. Actor Rishi Kapoor and actress Ashwini Bhave played important roles in the 90s film Henna. But the most talked about was Pakistani actress Zeba Bakhtiar, who played the role of Henna. Zeba Bakhtiar gained fame overnight on the basis of her amazing acting and beauty. But where is she and what is she doing at present. No one knows about this. Let us introduce you to Bollywood Henna today. Where is Bollywood's Henna? - Everyone wants to know about Zeba Bakhtiar, who created a sensation with the film Henna. Giving you the latest update about her, let us tell you that she currently lives with her son in Quetta Pakistan. This can be confirmed through her official Instagram handle. Zeba remains active on Insta and the 61-year-old actress keeps updating fans about her life through the latest photos and posts. She is currently away from the film world, however, Zeba remains busy working through various Pakistani TV ads. How much has Zeba's look changed? - The film Henna was released in 1991. At that time, Zeba Bakhtiar was 29 years old. She looked extremely beautiful. Fans believed that in terms of natural beauty, Zeba leaves behind even Bollywood's beautiful beauty Mandakini. But with increasing age, Zeba Bakhtiar's look has completely changed. You can easily guess this through her latest pictures. Zeba is famous for these films - Not only Henna, but as an actress, Zeba Bakhtiar remained active in Hindi cinema for a long time. During this time, she worked in many films like Sanjay Dutt Jai Vikranta, Sargam, Stuntman, Mukadma and Mohabbat Ki Aarzoo. It is known that Zeba had three marriages. But due to bad luck, all her three marriages were not successful. First, she got married to Salman Waliani and then later she became the bride of Bollywood actor Javed Jaffrey. Not only this, singer Adnan Sami was also Zeba's third husband.

Priyanka Chopra shared new glam photos, fans said - 'Nick Jonas is lucky'

Priyanka Chopra is busy shooting for her upcoming action drama web series Citadel Season 2 these days. From time to time, she also shares updates from there with the fans. The actress may have shifted abroad now, but she still lives in the hearts of Indian fans. Recently, the actress has shared her very gorgeous photos with fans. Priyanka Chopra is a global icon and there is no doubt about it. The actress often shares updates related to her life with fans. Recently, the actress has shared many pictures on her Instagram account in which she is looking very gorgeous.

These pictures of Priyanka are from an event in London. In the last two pictures, Priyanka was seen posing for the camera wearing a fitted black full-sleeve top. In the caption, Priyanka wrote, "When glamour is just this good." Fans praised Priyanka Chopra- Seeing this look of Priyanka Chopra, fans are calling Nick Jonas lucky. Priyanka's bold look in these is worth praising. Some of these pictures are selfies. Fans are reacting to them by commenting in many ways. One fan wrote, 'You are a queen and Nick is a lucky person.' Another wrote, "Very beautiful".

Let us tell you that earlier Priyanka had shared a throwback photo in which she had shown a glimpse of the changes that came after she became a 17-year-old girl from a 9-year-old girl. This picture created a stir on the internet. Will be seen in these films- Talking about the work front, Priyanka will soon be seen in the web series, Citadel Season 2. Apart from this, she is preparing for the release of Hollywood blockbusters like The Bluff and Heads of State. Citadel was created by Josh Appelbaum, Brian Oh and David Weil. It is a spy thriller film. Russo Brothers are its executive producers.